भा. कृ. अनु. प.-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान,

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच

बारा क्षेत्र के साधनहीन अनुसूचित जाति किसानों को "प्रशिक्षण तथा कृषि सामग्री वितरण"

आईसीएआर-सीएसएसआरआई, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच द्वारा अनुसूचित जाति के किसानों को वैज्ञानिक तरीके से फसल उत्पादन लेने के लिए प्रशिक्षण तथा लवण सहनशील गेंहूँ की किस्म (KRL-210) का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम अनुसूचित जाति परियोजना के अंतर्गत 17 नवम्बर, 2026 को केंद्र के समनी प्रायोगिक फार्म में आयोजित किया गया। भरूच जिले के तीन तालुकाओं (जम्बूसर, वाघरा, तथा आमोद) के 29 गांवों (कावा, अणखी, कावली, सामोज, सारोद, रुनाड, छिद्रा, कनगाम, कलक, बंदर टँकारी, अमनपुर, करमाड, जंत्राण, टुंडज, उमरा, समनी, बुवा, तनछा, डोरा, नाहीयेर, दांडा, अनोर, कुरचन, करेना, ईखरा, मालकिनपुरा, पहज, ओरा, त्रांकल) के अनुसूचित जाति के 50 किसानों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की। परीक्षण के लिए किसानों को एक एकड़ क्षेत्र के लिए 40 किलोग्राम गेंहू का बीज (किस्म KRL-210), किसानों को वितरित किया गया। अनुसूचित जाति के किसानों से आधार कार्ड, अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी और मोबाइल नंबर और हस्ताक्षर लिए गए। सर्वप्रथम डॉ. मोनिका शुक्ला के द्वारा किसानों को 'अनुसूचित जाति सब प्लान' कार्यक्रम का उद्देश्य समझाया गया तथा संस्थान के कार्यकलापों के बारे में जानकारी दी गयी। इसके पश्चात् उनके द्वारा गेहूं की वैज्ञानिक खेती के बारे में प्रशिक्षण दिया गया| किसानों को सरसों की वैज्ञानिक खेती के बारे में भी किसानों को बताया गया| डा. बिशवेश्वर गोरेन द्वारा लवणीय मृदा प्रबंधन, मिट्टी का नमूना लेने तथा मिट्टी में पोषक तत्वों का उचित प्रबंधन के बारे में किसानों को प्रशिक्षण दिया गया| किसानों को उर्वरकों के वैज्ञानिक प्रयोग के बारे में भी जानकारी दी गई| डा. विनीत टी. वी. के द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बारे में जानकारी दी गई तथा लवण सहनशील अन्य फसलों की किस्मों के बारे में बताया गया| अंत में किसानों ने वैज्ञानिकों से बातचीत की और खेती में आने वाली विभिन्न समस्याओं के बारे में पूछा। केंद्र के अध्यक्ष डा. अनिल चिंचमलातपुरे के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित किया गया| कार्यक्रम के दौरान संस्थान के तकनीकी अधिकारी चंपक तवियाड, बलवंत डामोर तथा दिलीप वाघेला उपस्थित रहे तथा अपना सहयोग प्रदान किया|



